समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

फराह खान रो पड़ीं, जब ऋषि कपूर को कैंसर का पता चला : अभिनेता ने कहा, “अरे चुप कर यार”

Sanket Morankar

Published on 23 Sep 2025

बॉलीवुड निर्देशक और कोरियोग्राफर **फराह खान** ने हाल ही में साझा किया कि जब उन्हें पता चला कि **ऋषि कपूर कैंसर से पीड़ित है**, तो वह **भावनाओं पर काबू नहीं रख सकीं।**

- फराह खान ने कहा कि वह उस समय **रोने लगीं** और पूरी स्थिति ने उन्हें भावनात्मक रूप से हिला दिया।
- उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि **ऋषि कपूर की बीमारी की खबर उनके लिए बेहद कठिन थी।**

- फराह खान ने याद किया कि जब वह **अत्यधिक भावुक हो गईं**, तो ऋषि कपूर ने उन्हें **सांतवना दी।**
- अभिनेता ने हंसते हुए कहा, “**अरे चुप कर यार।**”
- यह पल दोनों के बीच **गहरा और मानवीय संबंध** दर्शाता है।
- फराह खान ने बताया कि यह उनके लिए एक **महत्वपूर्ण और यादगार अनुभव** था।

- बॉलीवुड में अक्सर सितारे **अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन के अनुभव साझा** करते हैं।
- फराह खान और ऋषि कपूर के बीच यह क्षण **दोनों के गहरे मित्रत्व और सहानुभूति** को दर्शाता है।
- इस तरह के भावनात्मक पल यह साबित करते हैं कि **बॉलीवुड सितारे भी आम इंसानों की तरह भावनाओं से जुड़े हुए है।**

- ऋषि कपूर को कैंसर का पता चलने के बाद उन्होंने **दूसरे शहरों और विदेश मे इंलाज करवाया।**
- अभिनेता ने बीमारी के दौरान **सकारात्मक सोच और हिम्मत** के साथ सामना किया।
- फराह खान के बयान से यह स्पष्ट हुआ कि **संबंधित मित्र और परिवार की सहानुभूति** उनकी लड़ाई में महत्वपूर्ण रही।

- फराह खान ने कहा कि वह हमेशा **ऋषि कपूर के स्वास्थ्य और उनकी स्थिति के प्रति चिंतित** थीं।
- उन्होंने यह भी बताया कि **ऋषि कपूर का धैर्य और हिम्मत** उन्हें प्रेरित करता रहा।
- इस अनुभव ने फराह खान को **मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनने** में मदद की।

- फराह खान के खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर **फैसं ने उनकी संवेदनशीलता और मित्रत्व की सराहना** की।
- लोग इस पल को **बॉलीवुड की भावनात्मक कहानियों** में एक प्रेरणादायक उदाहरण मान रहे हैं।
- कई उपयोगकर्ताओं ने टिप्पणी की कि यह हमें **सितारों के इंसानी पहलुओं और उनके भावनात्मक बंधनों** की याद दिलाता है।

- फराह खान और ऋषि कपूर का यह उदाहरण **साथी कलाकारों के बीच मित्रता और सहानुभूति** को उजागर करता है।
- बॉलीवुड में अक्सर प्रतिस्पर्धा और काम का दबाव होता है, लेकिन **सच्चे मित्रों की मदद और समर्थन** सबसे महत्वपूर्ण होता है।
- इस घटना से यह भी स्पष्ट होता है कि **भावनात्मक जुड़ाव और मानवीय समझदारी** उद्योग में स्थायी संबंधों की नींव है।

- फराह खान की प्रतिक्रिया ने यह दर्शाया कि **मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक समर्थन** किसी की लड़ाई में अहम भूमिका निभा सकता है।
- किसी भी गंभीर बीमारी के समय, **सहानुभूति और मित्रता** मरीज के हौसले को बढ़ाती है।
- इस घटना ने यह संदेश दिया कि **सिर्फ़ इलाज ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक समर्थन** भी महत्वपूर्ण है।

फराह खान और ऋषि कपूर का यह पल बॉलीवुड के **भावनात्मक और मानवीय पहलुओं** को उजागर करता है।

- फराह खान की आँसुओं और ऋषि कपूर की सांत्वना ने दिखाया कि **सच्ची मित्रता और सहानुभूति** किसी भी परिस्थिति में महत्वपूर्ण होती है।
- इस घटना ने न केवल **फिल्म इंडस्ट्री बल्कि आम जनता** को भी यह सिखाया कि कठिनाई में **मित्र और परिवार का साथ** अनमोल होता है।

यह यादगार पल यह साबित करता है कि **बॉलीवुड सितारे भी आम इंसानों की तरह भावनाओं से जुड़े होते है**, और उनकी इंसानी पहलू को जानना फैंस और जनता के लिए प्रेरणादायक होता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.